हिन्दी दिवस

के अवसर पर निदेशक (प्रचालन) का संदेश

ओएनजीसी विदेश परिवार के प्रिय सदस्यों,

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भाषा किसी भी देश की सभ्यता एवं संस्कृति की परिचायक होती है। कोई भी देश अपनी भाषा के बिना सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक एवं दार्शनिक पहलुओं को सहेज कर नहीं रख सकता है। भारत में हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसमें भारतीय जनमानस की संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है। यह भारत देश में सर्वाधिक बोली एवं समझने जाने वाली भाषा है। जिसने हमारे देश को भाषायी एकता के रूप में एक सूत्र में पिरोया है।

राजभाषा हिंदी, सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है। हिंदी ने अपनी मौलिकता, सरलता एवं सुबोधता के बल पर ही भारतीय संस्कृति एवं साहित्य को जीवित बनाए रखा है। इसमें दो राय नहीं है कि यह भाषा पूर्णतः वैज्ञानिक है तथा इसकी अपनी मानक शब्दावली, व्याकरण और शैली है तथा इसका शब्दकोष व्यापक एवं समृद्ध है। उपर्युक्त सभी विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान सभा द्वारा 14 सितम्बर, 1949 को **'हिंदी'** को भारत संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकृत किया।

संघ की राजभाषा के रूप में संवैधानिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है कि कार्यालय में टिप्पणी एवं पत्राचार को मूल रूप से हिन्दी में करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। वास्तविकता में हिन्दी में कार्य करने के लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा कि भाषा को सरल एवं सहज रूप में लिखा जाए ताकि हिन्दी जानने वाले तथा हिन्दी न जानने वाले कार्मिकों द्वारा यह आसानी से समझी जा सके और अपनायी जा सके।

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर हम ये संकल्प लें कि हम सभी उत्साहपूर्वक और गर्व के साथ अपना कार्य हिन्दी में करेंगे और गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित प्रावधानों का अनुपालन करेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे सामूहिक एवं सतत् प्रयासों से हम अपना लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेंगे।

हिन्दी दिवस की सफलता की शुभकामनाओं सहित।

आलोक कुमार गुप्ता
(निदेशक प्रचालन)

दिनांक : 14 सितम्बर, 2020